



Mr.



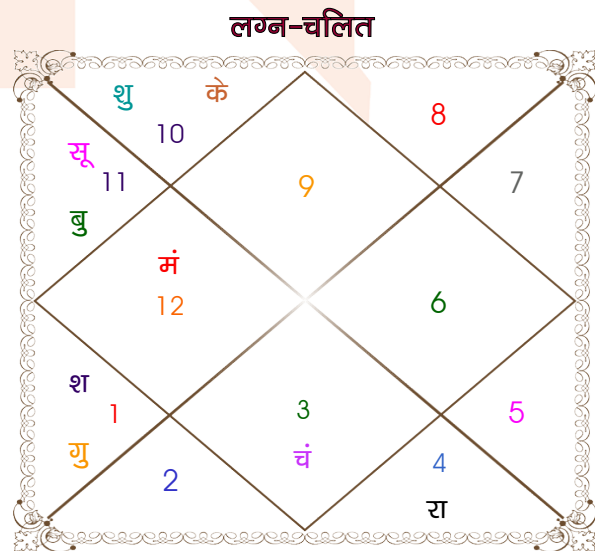
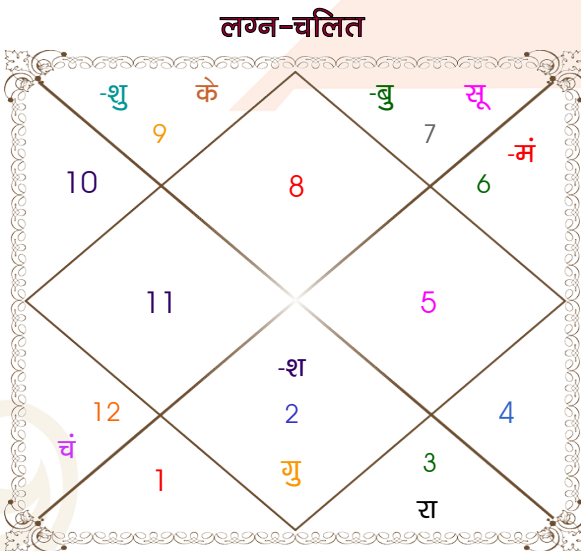
Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120077816

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 09/11/2000 : _____ जन्म तिथि _____ 15-16/02/2000
 गुरुवार : _____ दिन _____ मंगल-बुधवार
 घंटे 08:37:00 : _____ जन्म समय _____ 03:15:00 घंटे
 घटी 06:02:49 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 51:43:24 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Gorakhpur : _____ स्थान _____ Gorakhpur
 26:45:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 26:45:00 उत्तर
 83:23:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 83:23:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:03:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ 00:03:32 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:11:52 : _____ सूर्योदय _____ 06:33:38
 17:09:13 : _____ सूर्यास्त _____ 17:47:58
 23:51:50 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:51:18

विंशोत्तरी बुध 15वर्ष 1मा 18दि शुक्र 29/12/2022 29/12/2042	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 11वर्ष 4मा 11दि गुरु 28/06/2011 28/06/2027
शुक्र 29/04/2026	23:40:57	वृश्चि	लग्न	धनु	08:11:38	गुरु 15/08/2013
सूर्य 29/04/2027	23:09:25	तुला	सूर्य	कुंभ	02:39:49	शनि 27/02/2016
चन्द्र 28/12/2028	18:07:46	मीन	चंद्र	मिथु	11:34:57	बुध 04/06/2018
मंगल 27/02/2030	09:14:32	कन्या	मंगल	मीन	09:05:12	केतु 10/05/2019
राहु 27/02/2033	06:10:26	तुला	बुध	कुंभ	20:43:51	शुक्र 08/01/2022
गुरु 29/10/2035	14:45:41	वृष	गुरु	मेष	06:18:34	सूर्य 28/10/2022
शनि 29/12/2038	01:22:24	धनु	शुक्र	मक	03:19:09	चन्द्र 27/02/2024
बुध 29/10/2041	04:27:57	वृष	शनि	मेष	17:32:04	मंगल 02/02/2025
केतु 29/12/2042	23:39:11	मिथु	राहु	कर्क	09:44:00	राहु 28/06/2027
	23:39:11	धनु	केतु	मक	09:44:00	
	23:06:32	मक	हर्ष	मक	23:30:02	
	10:05:43	मक	नेप	मक	11:01:43	
	17:54:35	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:48:50	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्॥

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. की कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।